http://www.sgbauonline.com/

AV–892

M.A. (Part—I) Music (Semester—II) Examination

MUSIC

(Shastriya Sangitache Kriyatmak Siddhant)

(Practical Principles of Classical Music)

Paper—7

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note :— (1) Solve **ALL** questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. Write the theoretical detail description of one Raga of Kalyan Ang and one raga of Dhanashri Anga from the syllabus. 16

OR

Write notation of the vilambit khyal in any raga from Dhanashri anga with two alaps and two taans. Write notation of tarana from syllabi. 16

2. Describe in detail thaat-raga classification and evaluate it. 16

OR

Explain Dhanashri Ang of the Ragas from syllabus by giving description of Ragang. 16

3. Ellaborate how melody part and rythm parts should be decided while composing any lyric. 16

OR

Write musical peculiarities of any two distinctive compositions in your own words. 16

4. How Karnatak taals differ according to jati ? Explain in detail. 16

OR

Describe musical forms in Karnataki music in detail. 16

5. Choose appropriate option :

(i) Matras of Jhaptal are :

(a) Nine (b) Four

(c) Five (d) Seven

(ii) Mukhada of a composition starting from third taali of Jhaptal will be of :

(a) 5 beats (b) 4 beats

(c) 2 beats (d) 3 beats

(iii) 'Bhringavartani' type of meters are set in :

(a) Dadra (b) Rupak

(c) Jhaptal (d) Keharva

(iv) Which tal of Karnatak Music is similar to Aadachautal ?

(a) Jhamp (b) Aath

(c) Triput (d) Dhruva

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

(v) Number of taals in Karnatak system :

- (a) Five
- (b) Seven
- (c) Nine
- (d) Six

(vi) North Indian names of Gamanapriya, Kaamavardhini and Shubhapantuvarali melas are respectively :

- (a) Todi. Purvi, Marva
- (b) Marva, Purvi, Todi
- (c) Marva, Purvi, Asawari
- (d) Purvi. Todi, Khamaj

(vii) 'गागाल-गागाल' meter sets in taal :

- (a) Jhaptal
- (b) Rupak
- (c) Keharva
- (d) Dadra

(viii) Teesra, Chatarastra and Mishra Jati beats, respectively :

- (a) 3, 4, 5
- (b) 3, 4, 7
- (c) 3, 4, 9
- (d) None of these

(ix) In general jati of Dhanashri raganga is :

- (a) Sampurna
- (b) Shadav Sampurna
- (c) Audav Sampurna
- (d) Audav-Audav

(x) Singing form like Tillana :

- (a) Dhrupad
- (b) Tarana
- (c) Tappa
- (d) Thumri

(xi) Non-repeating type of meters sets in :

- (a) Dadra
- (b) Deepchandi
- (c) Trital
- (d) None of these

(xii) A mukhda of a composition starting from eighth beat of Ektaal will be of :

- (a) 8 beats
- (b) 5 beats
- (c) 4 beats
- (d) 6 beats

(xiii) 100 sign denotes which Tala ?

- (a) Dhruva
- (b) Math
- (c) Triput
- (d) Jhampa

(xiv) Swarasangati not comprising Kalyan anga :

- (a) म प ध प
- (b) नि ध सां
- (c) ग॒ रे
- (d) प रे

(xv) Beats of 'Plut' anga :

- (a) 5
- (b) 12
- (c) 8
- (d) 10

(xvi) Mathtal is similar to which Hindustani Tal ?

- (a) Roopak
- (b) Trital
- (c) Zaptal
- (d) Ektal

16

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

M.A. (Part—I) Music (Semester—II) Examination

MUSIC

(Shastriya Sangitache Kriyatmak Siddhant)

(Practical Principles of Classical Music)

Paper—7

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(मराठी माध्यम)

सूचना :— (1) **सर्व** प्रश्न सोडविणे आवश्यक.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. अभ्यासक्रमातील कल्याण अंगाच्या कुठल्याही एका रागाचे व धनाश्री अंगाच्या एका रागाचे विस्तृत शास्त्रिय विवेचन करा तसेच राग स्वरूप दर्शक स्वर समूह लिहा. 16

किंवा

पाठ्यक्रमातील धनाश्री अंगाच्या कोणत्याही एका रागात संपूर्ण विलंबित ख्याल, संपूर्ण आवर्तनाचे दोन आलाप व दोन तानांसह स्वरलिपीबद्ध करा. तसेच पाठ्यक्रमातील तराना संपूर्ण स्वरलिपीबद्ध करा. 16

2. थाट रागवर्गीकरणाची माहीती लिहून तिचे विस्तृत मूल्यमापन करा. 16

किंवा

रागांगाची माहीती देवून अभ्यासक्रमातील रागांच्या आधारे धनाश्री अंग स्पष्ट करा. 16

3. एखादे काव्य संगीतबद्ध करतांना त्याचा स्वरपक्ष (Melody) व ताल पक्ष (Rythm) कशाप्रकारे निश्चित करावा ते सविस्तर लिहा. 16

किंवा

कोणत्याही दोन वैशिष्ट्यपूर्ण बंदिशीची सांगीतिक वैशिष्ट्ये आपल्या शब्दांत लिहा. 16

4. कर्नाटकी ताल, जातिनुसार कसे भिन्न होतात ? विस्तृत विश्लेषण करा. 16

किंवा

कर्नाटकी संगीतातील गीतप्रकारांची विस्तृत माहीती लिहा. 16

5. योग्य पर्याय निवडा :

(i) झंपतालाच्या मात्रा :

(अ) नऊ (ब) चार

(क) पाच (ड) सात

(ii) झपतालात तिसऱ्या टाळीपासून सुरू होणारा मुखडा :

(अ) 5 मात्रांचा (ब) 4 मात्रांचा

(क) 2 मात्रांचा (ड) 3 मात्रांचा

(iii) भृंगावर्तनी वृत्ते या तालात बसतात :

(अ) दादरा (ब) रूपक

(क) झपताल (ड) कहरवा

(iv) आडाचौतालच्या समान मात्रा असलेला कर्नाटक पद्धतीतील ताल :

(अ) झंप (ब) अठ

(क) त्रिपुट (ड) ध्रुव

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

(v) दक्षिणी ताल संख्या :

(अ) पाच (ब) सात

(क) नऊ (ड) सहा

(vi) गमनप्रिय, कामवर्धिनी, शुभपन्तुवराली मेलंचे उत्तर हिंदुस्थानी पर्याय अनुक्रमे :

(अ) तोडी, पूर्वी, मारवा (ब) मारवा, पूर्वी, तोडी

(क) मारवा, पूर्वी, आसावरी (ड) पूर्वी, तोडी, खमाज

(vii) 'गागाल-गागाल' ही लगावली कोणत्या तालात येते :

(अ) झपताल (ब) रूपक

(क) कहरवा (ड) दादरा

(viii) तीस्त्र, चतरस्त्र, व मिश्र जातीच्या मात्रा अनुक्रमे :

(अ) 3, 4, 5 (ब) 3, 4, 7

(क) 3, 4, 9 (ड) यापैकी नाही

(ix) धनाश्री अंगाच्या रागांची जाति साधारणपणे :

(अ) संपूर्ण (ब) षाडवसंपूर्ण

(क) औडव संपूर्ण (ड) औडव-औडव

(x) तिल्लाना समान गित प्रकार

(अ) धृपद (ब) तराणा

(क) टप्पा (ड) ठुमरी

(xi) अनावर्तनी वृत्ते कोणत्या तालात बसतात ?

(अ) दादरा (ब) दीपचंदी

(क) त्रिताल (ड) यापैकी नाही

(xii) एकतालात आठव्या मात्रेपासून सुरू होणाऱ्या बंदिशीचा मुखडा :

(अ) 8 मात्रांचा (ब) 5 मात्रांचा

(क) 4 मात्रांचा (ड) 6 मात्रांचा

(xiii) 100 चिन्ह कोणता अंग दर्शवितो ?

(अ) धृव (ब) मठ

(क) त्रिपुट (ड) अंप

(xiv) कल्याण अंगात समाविष्ट न होणारी स्वरसंगती :

(अ) म प ध प (ब) नि ध सां

(क) ग रे (ड) ग रे

(xv) 'प्लुत' अंगाच्या मात्रा :

(अ) 5 (ब) 12

(क) 8 (ड) 10

(xvi) मठताल कोणत्या हिंदुस्थानी संगीत पद्धतीच्या ताला समान आहे ?

(अ) रूपक (ब) त्रिताल

(क) झपताल (ड) एकताल 16

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

M.A. (Part—I) Music (Semester—II) Examination

MUSIC

(Shastriya Sangitache Kriyatmak Siddhant)

(Practical Principles of Classical Music)

Paper—7

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :— (1) **सभी** प्रश्न हल कीजिये।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. पाठ्यक्रम के कल्याण अंग के किसी एक, व धनाश्री अंग के किसी एक राग का विस्तृत शास्त्रीय विवेचन करें, साथ ही राग स्वरूप दर्शक स्वर समूह लिखें। 16

अथवा

पाठ्यक्रम से धनाश्री अंग के किसी एक राग में सम्पूर्ण विलम्बित ख्याल, पूरे आवर्तन के दो आलाप एवं दो तानों के साथ लिपीबद्ध कीजिए। तथा पाठ्यक्रम से तराना स्वर लिपी बद्ध कीजिए। 16

2. थाट रागवर्गीकरण का विवेचन कर उसका सविस्तार मुल्यमापन कीजिए। 16

अथवा

रागांग को समझाते हुए पाठ्यक्रम के रागों के आधार पर धनाश्री अंग को विश्लेषित कीजिए। 16

3. किसी काव्य को संगीतबद्ध करते समय उसका स्वर पक्ष (Melody) तथा ताल पक्ष (Rythm) किस प्रकार निर्धारित किया जाए यह विस्तार से लिखिए। 16

अथवा

किन्हीं दो वैशिष्ट्य पूर्ण बंदिशों की सांगीतिक विशेषताएं अपने शब्दों में लिखें। 16

4. कर्नाटकी ताल, जातियों के अनुसार किस प्रकार से भिन्न होते हैं ? इसका विस्तार से विश्लेषण कीजिए। 16

अथवा

कर्नाटकी संगीत के गीत प्रकारों का विस्तृत परिचय लिखिए। 16

5. उचित विकल्प चुनिए :

(i) झप ताल की मात्राएं :

(अ) नौ (ब) चार

(क) पाँच (ड) सात

(ii) झपताल में तीसरी ताली से शुरू होने वाला मुखड़ा :

(अ) 5 मात्राओं का (ब) 4 मात्राओं का

(क) 2 मात्राओं का (ड) 3 मात्राओं का

(iii) भृंगावर्तनी प्रकार के वृत्त इस ताल में बैठेंगे :

(अ) दादरा (ब) रूपक

(क) झपताल (ड) कहरवा

(iv) आड़ाचौताल की मात्राओं के सदृश कर्नाटक पद्धति में कौनसा ताल है ?

(अ) झंप (ब) अठ

(क) त्रिपुट (ड) ध्रुव

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

(v) दक्षिणी ताल संख्या

(अ) पाँच (ब) सात

(क) नौ (ड) छः

(vi) गमनप्रिया, कामवर्धिनी, शुभपन्तुवराली मेलों के उत्तर हिंदुस्तानी विकल्प क्रमश :

(अ) तोड़ी, पूर्वी, मारवा (ब) मारवा, पूर्वी, तोड़ी

(क) मारवा, पूर्वी, आसावरी (ड) पूर्वी, तोड़ी, खमाज

(vii) 'गागाल-गागाल' यह लगावली किस ताल में आती है ?

(अ) झपताल (ब) रूपक

(क) कहरवा (ड) दादरा

(viii) तीस्र, चतरस्त्र, एवं मिश्र जाति की मात्राओं का क्रम :

(अ) 3, 4, 5 (ब) 3, 4, 7

(क) 3, 4, 9 (ड) इनमें से नहीं

(ix) धनाश्री अंग के रागों की जाति सामान्यतया :

(अ) सम्पूर्ण (ब) षाडवसम्पूर्ण

(क) औड़व सम्पूर्ण (ड) औड़व-औड़व

(x) 'तिल्लाना' के समान गीत प्रकार :

(अ) ध्रुपद (ब) तराना

(क) टप्पा (ड) ठूमरी

(xi) अन्नावर्तनी किस्म के वृत्त किस ताल में बैठते हैं ?

(अ) दादरा (ब) दीपचंदी

(क) त्रिताल (ड) इनमें से नहीं

(xii) एकताल में आठवीं मात्रा से प्रारम्भ होने वाली बंदिश का मुखड़ा :

(अ) 8 मात्राओं का (ब) 5 मात्राओं का

(क) 4 मात्राओं का (ड) 6 मात्राओं का

(xiii) 100 चिन्ह किस ताल को दर्शाता है ?

(अ) ध्रुव (ब) मठ

(क) त्रिपुट (ड) झंप

(xiv) कल्याण अंग में न आने वाली स्वर संगति :

(अ) मं प ध प (ब) नि ध सां

(क) ग रे (ड) प रे

(xv) 'प्लुत' अंग की मात्राएं :

(अ) 5 (ब) 12

(क) 8 (ड) 10

(xvi) मठ ताल किस हिंदुस्तानी पद्धती के ताल के समान है ?

(अ) रूपक (ब) त्रिताल

(क) झपताल (ड) एकताल 16

http://www.sgbauonline.com/